Deg-I
Hist (Hons)

महमूद गजनवी के चरित्र एवं कार्यों का मूल्यांकन

महमूद गजनवी मध्यम कद और सुदृढ़ शरीर वाला व्यक्ति था। वह शारीरिक दृष्टि से आकर्षक नहीं था। महमूद के चरित्र का विश्लेषण दो दृष्टिकोण से किया जाता है। इस्लामी संसार में महमूद की गणना देवता के रूप में की जाती है। उसने इस्लाम धर्म का प्रचार किया और इस्लामी संसार में गाजी का स्थान प्राप्त कर लिया। परन्तु हिन्दुओं के नजर में महमूद गजनवी शैतान था। उसने हिन्दू मन्दिरों एवं देवताओं की मूर्तियों को नष्ट कर उनकी धार्मिक भावना पर ठेस पहुँचायी। बलपूर्वक हिन्दुओं को इस्लाम धर्म स्वीकार करने के लिए विवश कर दिया।

महमूद गजनवी मूलतः सुन्नी था। वह हिन्दुओं और शिया धर्म के मानने वालों के प्रति समान रूप से असहिष्णु था। हिन्दुओं के प्रति वह कठोर और नृशंस व्यवहार करता था। हिन्दू मन्दिरों एवं मूर्तियों को नष्ट कर उसने खलीफा से सम्मान प्राप्त किया था।

महमूद गजनवी एशिया के मुसलमान शासकों में महान माना जाता है। विरासत के रूप में उसने केवल गजनी और खुरासान का राज्य प्राप्त किया था। छोटे साम्राज्य को एक विशाल साम्राज्य का रूप देकर महमूद गजनवी मुसलमान शासकों में महान बन गया।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

उसने विशाल साम्राज्य का निर्माण सैनिक शक्ति के बल पर किया था। अपने जीवनकाल में महमूद ने विशाल साम्राज्य को नियंत्रित रखा तथा शान्ति एवं सुव्यवस्था कायम रखी। यही कारण है कि महमूद की गणना उस युग के महान शासक के रूप में की जाती है।

महमूद एक जन्मजात सेनानायक था। उसकी सेना में अरब, तुर्क, अफगान, हिन्दू आदि कई जातियों के सैनिक थे। विभिन्न नस्लों के सैनिकों को एक जुट होकर संघर्ष करने के लिए प्रेरणा देता था। महमूद में साहस एवं वीरता का अद्वितीय सम्मिश्रण था। अपनी असाधारण सैनिक क्षमता के बल पर ही वह बार-बार युद्ध में विजयी होता था।

विजेता के साथ-साथ महमूद कला एवं संस्कृति का संरक्षक भी था। महमूद स्वयं विद्वान था और कविता के प्रति विशेष अभिरुचि रखता था। वह अपने दरबार में विद्वानों को प्रश्रय देता था। महमूद के दरबारी विद्वान में अलबेरूनी अग्रगण्य था। अलबेरूनी गणित, ज्योतिष, चिकित्सा, धर्म, विज्ञान आदि विषयों का ज्ञाता था। महमूद के दरबार में उतबी नामक प्रसिद्ध साहित्यकार और इतिहासकार था। जिसने 'किताब-उल-यमनी' और तारीख-ए-यामनी' नामक ग्रन्थों की रचना की थी। महमूद के दरबार का ~~प्रमुख~~ प्रसिद्ध कवि फिरदौसी था। जिसने शाहनामा की रचना की।

Scanned with CamScanner